104/Sans(N) UG/1st Sem/SANS-SEC-T-01/23

U.G. 1st Semester Examination - 2023

SANSKRIT

[Skill Enhancement Course (SEC)]

Course Code : SANS-SEC-T-01

[NEP-2020]

Full Marks : 35 Time : $1\frac{1}{2}$ Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. यथेच्छं **पञ्च**प्रश्नानानामुत्तराणि संस्कृतभाषया देवनागारीलिप्या च प्रदीयन्ताम्:- 1×5=5

   i) सन्धि: क्रियताम् - बधू + उक्ति:

   ii) सन्धिविच्छेदं: क्रियताम् - अत्याश्चर्यम्

   iii) परिनिष्ठितरुपं दीयताम् - नर-शब्दस्य षष्ठी बहुवचनम्

   iv) परिनिष्ठितरुपं दीयताम् - √कृ-धातो: लट् उत्तमपुरुषे बहुवचनम्

   v) कारकविभक्तिं निर्णायताम्- बालक: चन्द्र पश्यति

   vi) पञ्चमीविभक्ति: कस्मिन् कारके भवति?

   vii) परिनिष्ठितरूपं निर्णीयताम् - आ-√गम् + ल्यप्

   viii) कृत्यप्रत्ययानां नामानि लिख्यन्ताम्।

2. Answer any **two** of the following questions either in Bengali Scripts or in Devanāgarī Script:

   বাংলা অথবা দেবনাগরীতে নিম্নলিখিত যে-কোন **দুটি** প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ 5×2=10

   a) Account for the case-ending in any **five** of the following underlined words: 1×5=5

      i) गोप: गां दुग्धं दोग्धि।

      ii) बालक: मोदकं खादति।

      iii) स कर्णेन शृणोति।

      iv) राजा दरिद्राय धनं ददाति।

[Turn over]

v) <u>वृक्षात्</u> फलं पतति।

vi) <u>मम</u> गृहम्।

vii) मुनि: <u>वने</u> वसति।

b) Frame a simple sentence in Sanskrit with the help of *avyaya* (अव्यय) any **five** : 1×5=5

अद्य, तत्र, अधुना, कदा, निकषा, पुरत:, अन्तरा

c) Substitute single words for any **five** of the following: 1×5=5

i) पुत्रमिव आचरति

ii) तत् परिमाणमस्य

iii) शब्दं करोति

iv) पुन: पुन: नृत्यति

v) उदकं पातुम् इच्छति

vi) शवानां शयनम्

vii) कण्ठस्य समीपे

d) Give the resultant forms (any **five**) : 1×5=5

i) ✓धाव् + शतृ

ii) ✓कृ + शानच्

iii) ✓दृश् + क्त्वा

iv) अधि-✓इ + ल्यप्

v) ✓खाद् + तुमुन्

vi) ✓कृ + तव्य

vii) ✓ग्रह् + अनीय

3. Answer any **two** of the following questions:

নিম্নলিখিত যে-কোন **দুটি** প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ 10×2=20

a) Re-write the following passage after making *sandhis* in proper places: 10

अस्ति कल्याणकटके भैरवो नाम व्याध:। स <u>च+एकदा</u> पापबुद्धिर्लुब्धो भ्राम्यन् विन्ध्याटवीमध्यं गत:। तेन तत्र व्यापादितं <u>मृगम्+आदाय</u> गच्छता <u>घोर+आकृति:</u> शूकरो दृष्ट:। ततस्तेन मृगं भूमौ निधाय शूकर: <u>शरेण+आहत:</u>। <u>शूकरेण+अपि</u> घोरगर्जनं कुर्वाणेन स व्याधो हतश्छिन्नदुम इव पपात।

b) Read the following passage and answer the questions in Sanskrit in Devanagari script: $2\frac{1}{2}\times4=10$

अस्ति ब्रह्मारण्ये कर्पूरतिलको नाम हस्ती। तमवलोक्य सर्वे शृगालाश्चिन्तयन्ति स्म - यद्ययं केनाप्युपायेन म्रियते तदास्माकमेतद्देहेन मासचतुष्टयस्य भोजन भविष्यति। तत्रैकेन वृद्धशृगालेन प्रतिज्ञातम् - मया बुद्धिप्रभावादस्य मरणं साधयितव्यम्। अनन्तरं स वञ्चक: कर्पुरतिलकसमीपं गत्वा साष्टङ्गपातं प्रणम्योवाच - देव दृष्टिप्रसादं कुरु। हस्ती ब्रूते - कस्त्वम्? कुत समायात:? सोऽवदत् - जम्बुकोऽहम्।

i) कस्य मरणविषये के आलोचयन्ति स्म?

ii) कस्य देहेन केषां कीदृशं भोजनं भविष्यति?

iii) क: केन प्रकारेण कस्य मरणं साधयितुमैच्छत्?

iv) अत्र पाठ्यांशे 'वञ्चक:' क:? जम्बुक: कुत्रासीत्?

c) Read the following passage and answer the questions in Sanskrit in Devanagari script: 2×5=10

आपोदधौम्यस्य ऋषे: उपमन्युर्नामान्यतम: कश्चन शिष्य: आसीत्। तञ्चोपाध्याय: 'वत्स! उपमन्यो! गा रक्षस्व' इति प्रेषयामास। उपाध्यायवचनात् स चाहनि गा: रक्षित्वा दिवसक्षये गुरुगृहमागम्य तत्रभवन्तं नमश्चक्रे। तमुपाध्याय: पीवानं दृष्ट्वा उवाच - 'वत्स! केन वृत्तिं कल्पयसि? स प्रत्युवाच - 'भो:! भैक्ष्येण वृत्तिं कल्पयामीति।' मय्यनिवेध्य भैक्ष्यं नोपयोक्तव्यमिति उपाध्याय: प्रत्युवाच। स तथेत्युक्तो भैक्ष्यं चरित्वोपाध्यायाय न्यवेदयत् तत: आरभ्योपाध्याय: सर्व भैक्ष्यमगृह्णात्। तथापि पुन: उपमन्युं पीवानमेव दृष्ट्वा गुरु: उवाच - सर्वमशेषतस्ते भैक्ष्यं गृह्णामि, केनेदानीं वृत्तिं कल्पयसि? स उपाध्यायं प्रत्युवाच - भगवते निवेद्य पूर्वम्, अपरञ्चरामि, तेन वृत्तिं कल्पयामीति। तदा तमुपाध्याय: प्रत्युवाच - नैषा न्याय्या गुरुवृत्ति:, अन्येषामपि भैक्षोपजीविनां वृत्त्युपरोधं

करोषि, इत्येवं वर्तमानो लुब्धऽसि।

i) गुरो: नाम किम्? शिष्यश्च क:?

ii) उपाध्याय: कान् रक्षितुं कमादिष्टवान्?

iii) धेनुं पालयित्वा उपमन्यु: दिवसान्ते किं कृतवान्?

iv) कासीत् उपमन्यो: द्वितीया वृत्ति:?

v) किमुक्त्वा उपाध्याय: उपमन्युं तिरस्कृतवान्?

d) Translate into Sanskrit in Devanagari script as directed (any **five**) : $2 \times 5 = 10$

i) The sage was worshipped by the king. (Use क्त)

ঋষি রাজার দ্বারা পূজিত হয়েছিলেন।

ii) Bhima defeated the Kauravās in the great war of Kurukṣetra . (Use क्तवतु)

কুরুক্ষেত্রের যুদ্ধে ভীম কৌরবদের পরাজিত করেছিলেন।

iii) The order of the teacher should not be disobeyed. (Use अनीयर्)

শিক্ষকদের আদেশ অমান্য করা উচিত নয়।

iv) After going home, I saw a poor boy. (Use ल्यप्)

বাড়ি গিয়ে আমি এক দরিদ্র বালককে দেখেছিলাম।

v) The king is able to fight. (Use तुमुन्)

রাজা যুদ্ধ করতে সমর্থ।

vi) Wicked boys quarrel while reading. (Use शतृ)

দুষ্ট বালকেরা পড়বার সময় ঝগড়া করে।

vii) A lady feels pleasure while getting ornaments (Use शानच्)

মহিলাটি গয়না পেয়ে আনন্দিত হল।